

डॉ. लक्ष्मीनारायण पाण्डेय (मंदसौर) : अध्यक्ष महोदय, मध्य प्रदेश का नीमच जिला राजस्थान का सीमावर्ती जिला होने के कारण एक महत्वपूर्ण स्थान है। ऐतिहासिक तथा पुरातात्विक दृष्टि से जहां इसके पास चित्तौड़ दुर्ग हैं, वहीं नीमच में जो पूर्व में सी0आर0पी0एफ0 का मुख्यालय रहा है तथा वर्तमान में सी0आर0पी0एफ0 का बहुत बड़ा प्रशिक्षण केन्द्र है, जहां से प्रशिक्षित होकर प्रशिक्षित जवान आवश्यकता पड़ने पर देश के विभिन्न भागों में तत्काल भेजे जाते हैं। नीमच में तथा इसके आसपास के क्षेत्र में कई बड़ी सीमेंट फैक्ट्रियां तथा नीमच में अल्कलाइड फैक्ट्री है। व्यापारिक तथा व्यवसायिक दृष्टि से नीमच जिला राजस्थान तथा गुजरात से जुड़ा है। किंतु, इस क्षेत्र में हवाई यातायात सुविधा का अभाव है। यद्यपि हवाई अड्डे के लिए बहुत बड़ा भूभाग अधिग्रहीत किया गया है तथा भारत सरकार यहां पर लाखों रुपया खर्च कर चुकी है। छोटे-बड़े वायुयानों के लिए विस्तृत हवाई पट्टी भी है, जहां पर समय-समय पर महामहिम राज्यपाल, विभिन्न प्रदेशों के मुख्यमंत्री तथा केन्द्रीय मंत्रीगण प्रायः आते जाते रहते हैं। इस स्थान को हवाई मार्ग से जोड़े जाने हेतु इस क्षेत्र के उद्यमियों, व्यापारियों, सामान्य लोगों द्वारा तथा शासकीय स्तर पर भी मांग की जाती रही है। इस संदर्भ में राज्य सरकार द्वारा भी अनुरोध किया गया है।

अतः मेरा नागर विमानन मंत्री से अनुरोध है कि हवाई यातायात की दृष्टि से जो वर्तमान में अच्छी हवाई पट्टी के रूप में विकसित है, उसको हवाई अड्डे के रूप में परिवर्तित कर हवाई यातायात सुविधा नीमच जिले के नागरिकों व इस सम्पूर्ण क्षेत्र को देने हेतु आवश्यक कार्यवाही की जाये।